CBSE Class 09
Hindi B
Sample Paper 2 (2019-20)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
- एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
- दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
- तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।
- पॉंच अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 120-150 शब्दों में लिखिए।

Section A

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**
   घरवालों से शिष्ट व्यवहार करना उतना ही ज़रूरी है, जितना कि बाहर वालों से। घर में दूसरों का ख्याल रखने और अच्छा व्यवहार करने से नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है। विनम्रता का मतलब है-अच्छी तहज़ीब का पालन।
   खुद को संतुष्टि देने के साथ ही विनम्रता और शिष्ट व्यवहार के और भी कई फ़ायदे हैं, किन्तु फिर भी लोग विनम्रता का पालन नहीं करते। कठोर और असभ्य लोग थोड़े समय के लिए सफल हो सकते हैं, मगर ज़्यादातर लोग ऐसे व्यवहार वालों से दूर रहना चाहते हैं, और आख़िरकार ऐसे लोग नापसंद किए जाते हैं। बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि बड़े होकर वे सभ्य, समझदार और दूसरों का ख्याल रखने वाला बन सकें। एक बार विनम्र व्यवहार सीख लें, तो वह उम्र-भर साथ रहता है। यह दूसरों का ख्याल रखने और संवेदनशील होने के नज़रिए को दर्शाता है ऐसी बातें बहुत छोटी और साधारण लगती हैं, लेकिन इंसान को बहुत दूर तक ले जाती हैं। उदाहरण के लिए-'कृपया', 'शुक्रिया', धन्यवाद' और 'मुझे क्षमा कर दीजिए' जैसे चंद शब्द जादू का असर दिखाते हैं।

   i. घरवालों से शिष्ट व्यवहार करना क्यों जरूरी है? (2)
   ii. कठोर व्यवहार करने वालों का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है? (2)
   iii. विनम्र व्यवहार क्या दर्शाता है? (2)
   iv. किन शब्दों में जादू का असर होता है? (2)

v. विनम्रता का क्या अर्थ है? (1)

vi. बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा क्यों दी जानी चाहिए? (1)

Section B

2. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए-

   i. संतुलन
   ii. कविता

3. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार या अनुनासिक का प्रयोग कीजिए-

   i. सतुलन
   ii. सकलित
   iii. पूछ
   iv. ऊची

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिये-
   गिरफ्तार, रोज

5. निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग व मूलशब्द को अलग-अलग कीजिए-

   i. दुर्लभ
   ii. अनहोनी
   iii. सहपाठी

6. I. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए-
      i. स्व + इच्छा
      ii. पूर्व + उक्त
   II. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए-
      i. तथैव
      ii. सम्भाषण

7. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थान पर सही विराम चिह्न लगाइए-

   i. भरत दशरथ के पुत्र तपस्वी थे
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है होनहार बिरवान के होत चीकने पात
   iii. सुबह सुबह कौवा काँव काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. दुःख का अधिकार कहानी से स्पष्ट होता है कि 'पैसे की कमी और अभाव आदमी को दुःख मनाने का अवसर भी नहीं देते'-कैसे और क्यों?

   b. उफ, तुम कब जाओगे, अतिथि? इस प्रश्न के द्वारा लेखक ने पाठकों को क्या सोचने पर विवश किया है?

   c. गाँधी जी से 'यंग इण्डिया' के सम्पादक बनने की प्रार्थना क्यों की गयी थी?

   d. पहाड़ लुप्त कर देने वाले कीचड़ की क्या विशेषता है?

9. यहाँ बुद्धि का परदा डालकर पहले ईश्वर और आत्मा का स्थान अपने लिए लेना फिर धर्म, ईमान, ईश्वर और आत्मा के नाम पर अपनी स्वार्थ-सिद्धि के लिए लोगों को लड़ाना, भिड़ाना। धर्म की आड़ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

OR

एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु को भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। आशय स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. रहीम ने प्रेम के सम्बन्ध में किसका उदाहरण दिया है? प्रेम और धागे में क्या समानता है?

   b. आदमीनामा कविता में कवि का मुख्य उद्देश्य क्या है?

   c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता की क्या दशा हुई? एक फूल की चाह कविता के आधार पर लिखिए।

   d. गंदगी में रहकर भी खुशबू का निर्माण - कथा के द्वारा कवि देश की किस विषमता की ओर इशारा कर रहा है?

11. अग्निपथ कविता में अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ मनुष्य के जीवन के जीवन को एक महान दृश्य बताकर हमें क्या सन्देश दिया गया है?

OR

कवि ने अपनी तुलना ईश्वर से किस रूप में की है? रैदास के पद के आधार पर लिखिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

   a. गिल्लू की किन चेष्टाओं से आभास मिलने लगा कि अब उसका समय समीप है?

b. हामिद खाँ कौन था? लेखक उसके लिए ईश्वर से प्रार्थना क्यों कर रहा था?

c. “यह धर्मयात्रा है। चलकर पूरी करूँगा।" गाँधी जी के इस कथन द्वारा उनके किस चारित्रिक गुण का परिचय प्राप्त होता है?

Section D

13. **विज्ञान और हमारी दिनचर्या** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

परीक्षा के कठिन दिन विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

14. आपके पिताजी का तबादला दूसरे शहर में हो गया है। आप अपने मित्र को नए शहर की सुन्दरता का वर्णन करते हुए पत्र लिखिए।

OR

अपने पिताजी की आज्ञा बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर आईपीएल मैच देखा जिसकी सूचना आपके पिताजी को किसी अन्य व्यक्ति से मिली है। अब आप अपने पिताजी से माँफी माँगते हुए एक क्षमा याचना का पत्र लिखिए।

15. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रत्युक्त कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बद्ध होना चाहिए।

OR

दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20-30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही सम्बंधित होना चाहिए।

16. विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

बढ़ते जल प्रदूषण से परेशान दो नदियों के बीच होने वाले संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

17. आपको राजधानी एक्सप्रेस में यात्रा के दौरान एक अटैची मिली है। उसके मालिक तक पहुंचाने के लिए 25-50 शब्दो में एक विज्ञापन तैयार कीजिये।

CBSE Class 09
Hindi B
Sample Paper 2 (2019-20)

Solution

Section A

1. i. घरवालों से शिष्ट व्यवहार करने से नज़दीकी और अपनापन बढ़ता है।
   ii. कठोर व्यवहार करने वालों से ज्यादातर लोग दूर रहना चाहते हैं और आखिरकार ऐसे लोग नापसंद किए जाते हैं।
   iii. विनम्र व्यवहार दूसरों का ख्याल रखने के नजरिए को दर्शाता है।
   iv. 'कृपया', 'शुक्रिया', 'धन्यवाद' और 'मुझे क्षमा कर दीजिए' जैसे शब्दों में जादू का असर होता है।
   v. विनम्रता का अर्थ है-'अच्छी तहज़ीब का पालन'।
   vi. बच्चों को बचपन से ही विनम्र व्यवहार की शिक्षा दी जानी चाहिए ताकि बड़े होकर वे सभ्य, समझदार और दूसरों का ख्याल रखने वाला बन सकें।

Section B

2. i. स् + अं + त् + उ + ल् + अ + न् + अ
   ii. क् + अ + व् + इ + त् + आ
3. i. संतुलन
   ii. संकलित
   iii. पूँछ
   iv. ऊँची

4. गिरफ़्तार, रोज़

5. i. दुर् + लभ
   ii. अन + होनी
   iii. सह + पाठी
6. I. i. स्वेच्छा
      ii. पूर्वोक्त
   II. i. तथा + एव
      ii. सम् + भाषण
7. i. भरत (दशरथ के पुत्र) तपस्वी थे।
   ii. इस बालक पर यह कहावत लागू होती है, ‘होनहार बिरवान के होत चीकने पात।'
   iii. सुबह-सुबह कौवा काँव-काँव करने लगा।

Section C

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. कहानी में खरबूजे बेचने वाली के बेटे की मृत्यु हो जाती है। किन्तु पैसे की कमी, बच्चों का भूख से बिलबिलाना, बहू का तेज़ बुखार से पीड़ित होना देख बुढ़िया अपने शोक को भूलकर खरबूजे बेचने के लिए विवश हो जाती है। वह बाजार में मुँह छिपाए, सिर को घुटनों पर रखे फफक-फफक कर रोती है। इस तरह पुत्र शोक से पीड़ित माँ को अभावों ने दुःख मनाने की फुर्सत भी नहीं दी।

   b. इस प्रश्न द्वारा लेखक ने पाठकों को यह सोचने पर मजबूर किया है कि अच्छा अतिथि कौन होता है? वह, जो पहले से अपने आने की सूचना देकर आए और एक-दो दिन मेहमानी कराके विदा हो जाए न कि वह, जिसके आगमन के बाद मेज़बान वह सब सोचने को विवश हो जाए, जो इस पाठ का मेज़बान निरन्तर सोचता रहा। उफ! शब्द द्वारा मेज़बान की उकताहट को दिखाया गया है।

   c. गाँधी जी को 'यंग इण्डिया' के सम्पादक बनने की प्रार्थना इसलिए की थी, क्योंकि हानीमैन को देश-निकाला देने के बाद साप्ताहिक के लिए लिखने वालों की कमी रहने लगी थी। गाँधी जी भी अंग्रेजों के विरुद्ध लिखना चाहते थे। इसलिए उन्होंने इस प्रार्थना को स्वीकार कर लिया।

   d. पहाड़ लुप्त कर देने वाला कीचड़ खम्भात की खाड़ी में पाया जाता है। इस कीचड़ की यह विशेषता है कि मही नदी के मुख से आगे जहाँ तक नज़र जाएगी वहाँ तक सर्वत्र कीचड़-ही-कीचड़ दिखाई देता है।

9. भारत में धर्म के कुछ ठेकेदार साधारण लोगों की बुद्धि को भ्रमित कर देते हैं वे कुछ सोच-समझ नहीं पाते। देश में धर्म की धूम है। धर्म के नाम पर उत्पात किए जाते हैं, जिद की जाती है, भोले-भाले लोगों को बेवकूफ़ बनाया जाता है। अपना आसन ऊँचा करने के लिए धूर्त लोग धर्म की आड़ लेते हैं। मूर्खा की बुद्धि पर परदा डालकर धर्म और ईमान के नाम पर स्वार्थसिद्ध करते हैं। जान देने और जान लेने को तैयार रहते हैं। इस प्रकार वे साधारण लोगों का दुरुपयोग कर शोषण करते हैं।

OR

शेरपा कुलियों में से एक की मृत्यु व चार के घायल होने की खबर सुन यह कथन कर्नल खुल्लर ने कहा। एवरेस्ट दुनियाँ की सबसे ऊँची चोटी है और इस पर चढ़ना कोई आसान काम नहीं है। इसलिए कर्नल खुल्लर ने अभिय सदस्यों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि महान् उद्देश्य की पूर्ति के लिए खतरों का सामना करना पड़ता है और मृत्यु को भी गले लगाना पड़ सकता है। इस तरह की परिस्थितियों का सहज भाव से सामना करना चाहिए। मृत्यु इस उद्देश्य के सामने छोटी है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन के उत्तर दीजिये:

   a. प्रेम के संबंध में रहीम ने धागे का उदाहरण दिया है। प्रेम धागे के समान कोमल और अखण्ड होता है। जिस प्रकार धागा यदि एक बार टूट गया तो फिर जुड़ नहीं पाता और यदि जोड़ भी दिया जाये तो उसमें गाँठ पड़ जाती है वैसा ही प्रेम संबंध है। इसलिए प्रेम रूपी धागा कभी तोड़ना नहीं चाहिए।

b. कवि के मुख्य उद्देश्य निम्न है-

i. आदमी को उसकी अच्छाइयों, बुराइयों, सीमाओं व सम्भावनाओं से परिचित करवाना।
ii. आदमी को उसकी स्वाभाविक विविधता से परिचित करवाना।
iii. आदमी को उसकी असलियत का आईना दिखाना।

c. अपनी बच्ची की बीमारी के कारण सुखिया के पिता को चारों ओर अन्धकार ही अन्धकार दिखाई देने लगा। अपनी पुत्री की अन्तिम इच्छा पूरी न कर पाने के कारण उसका मन घोर निराशा से भर जाता है। क्योंकि वह सामाजिक स्थितियों को जानता था।

d. गंदगी में रहने वाले ये मजदूर अगरबत्तियों का निर्माण कर खुशबू फैलाते हैं। कवि ने ऐसा कहकर देश में व्याप्त अर्थिक विषमता की ओर संकेत किया है और मजदूरों की दीन-हीन दशा की ओर कवि इशारा करता है।

11. कवि कहता है कि जीवन पथ अनुकूल और प्रतिकूल दोनों प्रकार की परिस्थितियों से भरा हुआ है। यह संसार अग्नि से पूर्ण मार्ग के समान कठिन है और इस कठिन मार्ग का सबसे सुन्दर दृश्य कवि के अनुसार कठिनाइयों का सामना करते हुए आगे बढ़ना है। संघर्ष-पथ पर चलने पर उसकी (मनुष्य की) आँखों से आँसू बहते हैं, शरीर से पसीना निकलता है और खून बहता है, फिर भी वह इन सब की परवाह किए बिना निरन्तर परिश्रम करते हुए संघर्ष-पथ पर बढ़ता जाता है।

OR

कवि अपने आराध्य को याद करते हुए उनसे अपनी तुलना करता है, उनका प्रभु हर तरह से श्रेष्ठ है तथा उनके मन में निवास करता है - हे प्रभु आप चंदन तथा हम पानी हैं। आपकी सुगंध मेरे अंग-अंग में बसी है। आप बादल हैं, मैं मोर हूँ। जैसे घटा आने पर मोर नाचता है। मेरा मन भी आपके स्मरण से नाच उठता है। जैसे चकोर प्रेम से चाँद को देखता है वैसे ही मैं आपको देखता हूँ। प्रभु आप दीपक हैं तो मैं उसमें जलने वाली बाती हूँ। जिसकी ज्योति दिन-रात जलती रहती है। प्रभु आप मोती हो तो मैं माला का धागा हूँ। जैसे सोने और सुहागे का मिलन हो गया हो, प्रभु आप स्वामी हैं मैं आपका दास हूँ। मैं सदा आपकी भक्ति करता हूँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये:

a. सामान्यतः गिलहरी का जीवनकाल दो वर्ष का माना जाता है। जब गिल्लू की जीवन यात्रा का अंत आया तो उसने दिनभर कुछ भी नहीं खाया और वह बाहर भी घूमने नहीं गया। वह अपने झूले से नीचे उतरा और लेखिका के बिस्तर पर आकर उसकी उँगली पकड़कर चिपक गया। इन सभी चेष्टाओं से लेखिका को लगा कि उसका (गिल्लू का) अंत समीप है और सुबह की पहली किरण के साथ ही वह हमेशा के लिए सो गया।

b. हामिद खाँ एक मुसलमान पठान था। तक्षशिला में हामिद रहता था, वहाँ आगजनी की घटना हुई थी। हामिद मानव प्रेम में आस्था रखने वाला व्यक्ति था। लेखक के साथ उसका भावनात्मक जुड़ाव भी था। इसलिए अखबार में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक ने उसकी सलामती के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

c. गाँधी जी से लोगों ने थोड़ी-सी यात्रा कार से कर लेने का अनुरोध किया, क्योंकि रास्ता रेतीला था। लेकिन गाँधी जी ने यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि यह उनके जीवन की आखिरी यात्रा है और ऐसी यात्रा में निकलने वाला वाहन का प्रयोग नहीं करता। यह पुरानी रीति है। धर्म-यात्रा में हवाई जहाज, मोटर या बैलगाड़ी में बैठकर जाने वाले को लाभ नहीं मिलता।

Section D

13. आज यदि हम अपने को विज्ञान से अलग करके देखें तो शायद हमारा कोई अस्तित्व ही नहीं रहेगा। वैज्ञानिक उन्नति के कारण ही हमारी दिनचर्या इतनी सहज हो गई है कि कितने ही काम मिनटों में निपट जाते हैं। लिखना, पढ़ना, खाना-पीना यहाँ तक कि सोना भी विज्ञान पर निर्भर करता है। कागज-कलम, टोस्टर, फ्रिज, गैस, पंखा, कूलर, हीटर सभी तो विज्ञान की ही देन हैं। संचार, यातायात के साधन, टेलीविज़न, इंटरनेट ने तो हमारी दूरियाँ ही समाप्त कर दी हैं। घर बैठे ही सबकी खोज-खबर ले लो। जहाँ दृष्टि डालो विज्ञान ही विज्ञान है। चिकित्सा के क्षेत्र में तो इसकी उन्नति के क्या कहने? बस आत्मा को छोड़कर सब कुछ तैयार किया जा सकता है, अदला-बदला जा सकता है। आज अनेक व्यक्ति अंग-प्रत्यारोपण से जीवन-दान पा रहे हैं। विज्ञान हमारे लिये वरदान है, पर हर चीज में अच्छाई के साथ-साथ कुछ बुराई भी होती है। विज्ञान का दुरुपयोग होने लगा है। विभिन्न अस्त्र-शस्त्रों के निर्माण और रासायनिक बमों के प्रयोग का भय विश्व में बना हुआ है। मानव को प्रकृति के महत्व को समझकर विज्ञान का सदुपयोग करना चाहिए और उसकी विनाशक शक्ति से बचना चाहिए यह तभी संभव है जब हम विज्ञान की शक्ति का दुरुपयोग न करें।

OR

वास्तव में परीक्षा के दिन कठिन उन विद्यार्थियों के लिए होते हैं, जो परीक्षा से जूझने के लिए, परीक्षा में खरा उतरने के लिए, पहले से ही समय के साथ-साथ तैयारी नहीं करते। जो विद्यार्थी प्रतिदिन की कक्षाओं के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी भी करते जाते हैं, उन्हें परीक्षा का सामना करने से डर नहीं लगता। वे तो परीक्षा का इंतजार करते हैं। उन्हें परीक्षा के दिन कठिन नहीं, सुखद लगते हैं। वे परीक्षा की कसौटी पर खरा उतरना चाहते हैं और खरा उतरना जानते भी हैं, क्योंकि जिस प्रकार सोने को कसौटी पर परखा जाता है, उसी प्रकार विद्यार्थी की योग्यता की परख परीक्षा की कसौटी पर होती है। यही एक प्रत्यक्ष प्रमाण या मापदण्ड होता है, जिससे परीक्षार्थी के योग्यता-स्तर को जाँच कर उसे अगली कक्षा में प्रवेश के लिए या नौकरी के योग्य समझा जाता है।

परीक्षा तो विद्यार्थियों को गंभीरतापूर्वक अध्ययन करने के लिए कहती है। परीक्षा में अधिकाधिक अंक प्राप्त करने के लिए प्रतिभाशाली विद्यार्थी परीक्षा की डटकर तैयारी करते हैं, उन्हें परीक्षा से डर नहीं लगता। परीक्षा विद्यार्थियों में स्पर्धा की भावना भरती है तथा उनकी आलसी प्रवृत्ति को झकझोर कर परिश्रम करने में सहायक बनती है। परीक्षा तो परीक्षा ही होती है। पर परीक्षा-पद्धति ऐसी होनी चाहिए, जिससे विद्यार्थी की शिक्षा का मूल उद्देश्य पूरा हो, उसकी योग्यता की सही जाँच हो और उसे परीक्षा के दिन कठिन न लगें। इसके लिए सार्थक प्रयास करने होंगे और ये प्रयास तभी सफल होंगे, जब उन्हें सुनियोजित योजना के तहत लागू किया जाएगा।

14. P-276, पालम,

नई दिल्ली-77,
दिनांक ....।
प्रिय मित्र गोविन्द
सप्रेम नमस्ते,
कल तुम्हारा पत्र मिला। तुम्हें यह जानकर हर्ष होगा कि मेरा मन इस नए शहर में लग गया है। दिल्ली बहुत बड़ा और सुन्दर है। यहाँ लाल किला, जामा मस्जिद, लोटस टेम्पल, इंडिया गेट आदि कई दर्शनीय स्थल हैं। यहाँ की बहुमंजिला गगनचुम्बी इमारतें लोगों का ध्यान आकर्षित कर लेती हैं। यहाँ सड़कें काफ़ी चौड़ी हैं। रात के समय बाज़ारों की सजावट व रोशनी मन मोह लेती है। बाज़ार बहुत बड़े-बड़े हैं। मुग़ल गार्डन में फूलों की इतनी किस्में हैं कि वे लोगों को हैरत में डाल देती है। दिल्ली में मैट्रो की सवारी करके बड़ा मजा आया। यह शहर बड़ा होने के साथ साफ-सुथरा भी है।
इस नए शहर में तुम्हारी कमी अखरती है। यदि तुम भी साथ होते तो आनन्द दुगना हो जाता। ग्रीष्म अवकाश में तुम दिल्ली अवश्य आना। अंकल व आंटी को नमस्ते।

तुम्हारा प्रिय मित्र
मोहित

OR

बसंत छात्रावास
राजकीय उच्चतम माध्यमिक विद्यालय
प्रीत विहार
नई दिल्ली।

परम पूज्य पिताजी,
सादर प्रणाम।
आशा है घर में सभी सकुशल होंगे।
आपके पत्र से पता चला कि आपकी अनुमति के बिना अपने कुछ मित्रों के साथ विद्यालय से अनुपस्थित होकर मेरे आईपीएल मैच देखने से आप नाराज़ हैं।
मैं अपनी गलती स्वीकार करता हूँ। लड़कों के कहने में आकर मैं उनके साथ मैच देखने चला गया था। मैंने पढ़ाई को भी गम्भीरता से नहीं लिया। मैं समझ गया कि जब यह सूचना आपको अन्य व्यक्ति से मिली होगी तो आपको कैसा लगा होगा? पिताजी, अब आप कभी मेरी शिकायत नहीं सुनेंगे। मैं नियमित विद्यालय में उपस्थित रहूँगा तथा छात्रावास में रहकर अध्ययन में रुचि लूँगा। ऐसे गलत लड़कों की संगति भी छोड़ दूँगा। मैं पुन: आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अब सही मार्ग पर चलूँगा। पिछली गलतियों के लिए मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ। घर में माताजी को प्रणाम। छोटों तथा बड़ों को यथोचित अभिवादन।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

गोविन्द सिंह

15. i. यह गाँव के बाजार का दृश्य है।
 ii. एक अधेड़ स्त्री खरबूजे बेच रही है।
 iii. वह औरत दुखी प्रतीत होती है। वह घुटने पर सिर रखे रो रही है।
 iv. लोग उस औरत को देख रहे हैं लेकिन कोई खरबूजे खरीद नहीं रहा है।
 v. कुछ खरबूजे डलिया में रखे हैं व कुछ नीचे पड़े हैं।
 vi. लोग उस औरत के बारे में तरह-तरह की बातें बना रहे हैं।

OR

 i. यह गाँव का दृश्य है।
 ii. सूरज डूब रहा है। शाम हो जाने पर किसान बैलों को लेकर घर लौट रहा है।
 iii. एक आदमी डंडा कंधे पर रखकर गाय चरा रहा है।
 iv. चारों ओर खेत व हरियाली नजर आ रही है।
 v. गाँव के लोग भी 'छोटा परिवार सुखी परिवार' का महत्व समझने लगे हैं।
 vi. इस परिवार के लोगों के चेहरे की मुस्कान इनकी खुशहाली की प्रतीक है।

16. शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।
गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?
शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।
गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।
शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?
गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।
शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

OR

पहली नदी - क्या बात है बहन? आज बहुत दुःखी दिखाई दे रही हो।
दूसरी नदी - क्या बताऊँ? आजकल मेरा पानी पहले से भी अधिक प्रदूषित होता जा रहा है।
पहली नदी - सच कहा तुमने। लोग अपना कचरा नदियों में बहा देते हैं। अपने जानवरों को भी हमारे पानी में नहला कर पानी प्रदूषित कर रहे हैं।
दूसरी नदी - इतना ही नहीं कारखानों से निकलने वाले रासायनिक पदार्थ व नालों, सीवर आदि का पानी भी सीधे हमारे पानी में मिलाया जा रहा है।

पहली नदी - हम ही नहीं हमारे जल में रहने वाले जीव जन्तु, मछलियाँ आदि भी इस प्रदूषण से परेशान हैं।

दूसरी नदी - मनुष्य इतना स्वार्थी हो गया है कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए प्रकृति से खिलवाड़ कर रहा है।

पहली नदी - जल ही जीवन है जब तक मनुष्य इस बात को नहीं समझेगा, इसे जल प्रदूषण से मुक्ति सम्भव नहीं है।

17.

आवश्यक सूचना

दिल्ली जाने वाली **मंसूरी एक्सप्रेस** दिनांक 17.1.19 के सभी यात्रियों को सूचित किया जाता है कि यात्रा के दौरान एक अटैची मुझे मिली है। जिस सज्जन की हो पहचान बताकर ले जाएँ।

कृपया पहचान-पत्र और FIR की कॉपी लेकर आएँ। पुलिस जाँच के बाद ही सामान सौंपा जाएगा।

पता : गोविन्द सिंह, 75/5 कोठद्वारा, उत्तराखंड

दूरभाष: - 922856XXXX